ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-४८
दिनांक- शुक्रवार, ६ जुलाई, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.३ एवं २५.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८६ सुबह में एवं दोपहर में ८२ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २७.८ एवं दोपहर में ३१.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में १.८ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(७ से ११ जुलाई, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ७ से ११ जुलाई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा की संभावना नहीं है। अगले २-३ दिनों तक उत्तर बिहार के ज्यादातर स्थानों पर मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। उसके बाद वर्षा की संभावना में थोड़ी वृद्धि हो सकती है और तराई तथा मैदानी भागों के जिलों में हल्की वर्षा होने की संभावना है। सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी एवं पश्चिमी चंपारण जिलों में अन्य जिलों के तुलना में वर्षा की *संभावना* अधिक है।
- अधिकतम तापमान ३५ से ३७ डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान २६ से २८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन ०८ से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूर्वानुमान की अवधि में पूरवा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- उप-मौसमीय (सब-सीजनल) मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले १-२ सप्ताह तक सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है, वे धान की रोपनी निचली भूमि में शुरू कर सकते है।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी में गिराने का कार्य यथाशीघ्र समपन्न करें। धान के नर्सरी से खर-पतवार निकालें। जिन क्षेत्रों में जैसे पश्चिमी चंपारण, मधुबनी विगत दिनों में अच्छी वर्षा हुई है, वहाँ कदवा कर किसान भाई तैयार बिचड़ा का रोपाई निचली क्षेत्रों में शुरू कर सकते है। अगर इन क्षेत्रों में किसानों के पास बिचड़ा उपलब्ध नहीं है, तो किसान भाई कदवा करके धान की सीधी बुआई वेट डी.एस.आर.विधि से करें। जहाँ हल्की वर्षा हुई है एवं किसानों के पास बिचड़ा भी नहीं है, वैसे किसान अल्प अवधि एवं मध्यम अवधि वाले धान के बीज को डी.एस.आर. विधि से धान की बुआई करें।
- अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर, २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर १८-२० किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- किसान भाई ऊचॉस जमीन में तिल की बुआई करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ६० किवन्टल कम्पोस्ट, २० किलो नेत्रजन, २० किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाश का व्यवहार करें। बीज दर ४ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी ३० से०मी० x १० से०मी० रखें। २.० ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- पहले से तैयार गढ़ों में फलदार एवं जंगली पौधों को लगाने का कार्य करें। पौधों को दीमक तथा सफेद लट कीट से बचाव हेतु ५ मी०ली० क्लोरपाईरिफॉस दवा १ ली० पानी में मिलाकर पौधा लगाने के बाद गढ़े में दे।
- किसान भाई अपने पशुओ के शरीर से प्रतिदिन हाथ से चमोकन निकालकर जला या मार दें। यह बहुत सी बिमारियों की जड़ है। अधिक प्रकोप होने पर ब्युटॉक्स दवा का छिड़काव पुरे शरीर के बाहरी हिस्सों में करें। साल में एक-दो बार गोबर की जाँच करा लें ताकि आंतरिक कृमि का पता चल सके और समय पर पशु का उपचार हो सके।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.१ अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २४.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.१ कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी